

प्रेषक,

नितेश कुमार झा,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
चिकित्सा शिक्षा विभाग,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

चिकित्सा शिक्षा अनुभाग-2

देहरादून : दिनांक 09 जनवरी, 2018

विषय:- वित्तीय वर्ष 2017-18 के अनुपूरक अनुदान में राजस्व पक्ष (नर्सिंग शिक्षा से संबंधित) के अन्तर्गत प्राविधानित बजट की वित्तीय स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक वित्त अनुभाग-01, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-1362/3(150)/XXVII(1)/2017 दिनांक 27 दिसम्बर, 2017 (प्रति संलग्न) में दिये गये दिशा-निर्देशों के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2017-18 के अनुपूरक अनुदान में अनुदान संख्या-12 के अन्तर्गत राजस्व पक्ष की 01, 03 व 06 मदों में प्राविधानित बजट को संलग्न विवरणानुसार रू० 1,18,27,000-00 (रू० एक करोड़ अठारह लाख सत्ताईस हजार मात्र) आपके निवर्तन पर रखने की श्री राज्यपाल महोदय निम्नलिखित प्रतिबंधों/शर्तों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- उत्तराखण्ड शासन, वित्त विभाग-01 के शासनादेश संख्या-183/XXVIII (1)/2012 दिनांक-28 मार्च, 2012 तथा तदक्रम में समय-समय पर निर्गत अन्य आदेशों के अधीन साफ्टवेयर से केन्द्रीय स्तर पर एक विशिष्ट नम्बर प्राप्त करा लिया जाये। बिना इस विशिष्ट नम्बर के किसी भी आदेश के आधार पर कोई आहरण एवं व्यय नहीं किया जायेगा।
- वचनबद्ध मदों की धनराशि का आहरण एवं व्यय मासिक आधार पर किस्तों में वास्तविक आवश्यकतानुरूप ही किया जायेगा एवं अतिरिक्त बजट की प्रत्याशा में अधिकृत धनराशि से अधिक धनराशि कदापि व्यय नहीं की जायेगी और न ही अधिक व्ययभार सृजित किया जायेगा।
- अवचनबद्ध मदों के अन्तर्गत आहरण एवं व्यय किस्तों में वास्तविक व्यय आवश्यकता के आधार पर ही किया जायेगा तथा अतिरिक्त बजट की प्रत्याशा में अधिकृत धनराशि से अधिक धनराशि कदापि व्यय नहीं की जायेगी एवं न ही अधिक व्यय भार सृजित किया जायेगा। अवचनबद्ध मदों के संबंध में मितव्ययता का विशेष ध्यान रखा जायेगा और यह सुनिश्चित किया जायेगा कि वर्ष के प्रारम्भ में ही प्रत्येक मद के संबंध में मितव्ययता हेतु स्पष्ट योजना बना ली जायेगी और तदनुसार प्रत्येक मद के संबंध में प्राविधानित आवंटित धनराशि के सापेक्ष बचत का लक्ष्य पूर्व में ही निर्धारित कर बचत सुनिश्चित की जायेगी।
- बजट प्राविधान किसी भी लेखाशीर्षक/मद के अन्तर्गत व्यय की अधिकतम सीमा को ही प्राधिकृत करता है। अतः बजट प्राविधान से अधिक किसी भी दशा में न तो व्यय किया जाय और न ही पुनर्विनियोग व अन्य माध्यम से अतिरिक्त बजट की प्रत्याशा में कोई व्ययभार/दायित्व सृजित किया जाय।



- v. व्यय करने के पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो, उनमें व्यय करने के पहले ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय तथा वित्तीय स्वीकृति सक्षम स्तर से प्राप्त की जाय।
- vi. वित्त अनुभाग-01, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-610/3(150)/X XVII(1)/2017 दिनांक-30 जून, 2017 में दिये गये निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाय।
- vii. किसी भी शासकीय व्यय हेतु उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली-2017, वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकार प्रतिनिधायन नियम) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 भाग-1 (लेखा नियम), आय-व्ययक संबंधी नियम (बजट मैनुअल) तथा अन्य सुसंगत नियमों, शासनादेशों आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
- viii. यह आदेश वित्त अनुभाग-1, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-1362/3(150)/XXVII(1)/2017 दिनांक-27 दिसम्बर, 2017 में दिये गये दिशा-निर्देशों के क्रम में जारी किये जा रहे हैं।
- ix. प्रथम अनुपूरक अनुदान के उपयोग के संबंध में अन्य शर्त वही रहेगी जो वित्तीय वर्ष 2017-18 के आय-व्ययक के वित्तीय स्वीकृतियां निर्गत किये जाने विषयक शासनादेश संख्या-610 दिनांक-30.06.2017 में उल्लिखित है।
- 3- वित्त अनुभाग-01, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-183/XXVII(1)/2012 दिनांक-28 मार्च, 2012 तथा तदक्रम में समय-समय पर निर्गत अन्य आदेशों के अधीन दिये गये निर्देशों के क्रम में साफ्टवेयर से किये गये बजट आवंटन संबंधी आवंटन प्रपत्र की प्रति संलग्न कर अग्रेत्तर कार्यवाही हेतु प्रेषित की जा रही है।
- संलग्न:- यथोक्त।

भवदीय,
(नितेश कुमार झा)
सचिव।

संख्या- 16 /XXVIII(2)/03(बजट)/2017 तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, माजरा देहरादून।
2. आयुक्त गढ़वाल/कुमाऊँ मण्डल, उत्तराखण्ड।
3. संबंधित जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
4. निदेशक, कोषागार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
5. संबंधित वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी।
6. प्राचार्य, राजकीय नर्सिंग कॉलेज देहरादून एवं जी0एन0एम0 स्कूल रोशनाबाद, हरिद्वार।
7. प्रधानाचार्य, राजकीय स्टेट नर्सिंग स्कूल देहरादून।
8. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-03, उत्तराखण्ड शासन।
9. निदेशक, एन0आई0सी0 सचिवालय परिसर, उत्तराखण्ड शासन।
10. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,
(शिव शंकर मिश्रा)
अनु सचिव।

शा0संख्या— /XXVIII(2)/2017- 03(बजट)/2017 का संलग्नक।

(धनराशि रू0 हजार में)

लेखाशीर्षक		आयोजनागत	
क	ख	ग	घ
2210	चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य	वित्तीय वर्ष 2017-18 के अनुपूरक अनुदान में प्राविधानित धनराशि	अवमुक्त की जा रही धनराशि
05	चिकित्सा, शिक्षा, प्रशिक्षण तथा अनुसंधान		
105	पाश्चात्य चिकित्सा पद्धति		
05	नर्सिंग एवं पैरामेडिकल शिक्षा		
02	स्टेट नर्सिंग कॉलेज देहरादून की स्थापना		
01	वेतन	5000	5000
06	अन्य भत्ते	250	250
	योग—	5250	5250

(धनराशि रू0 बावन लाख पचास हजार मात्र)


(शिव शंकर मिश्रा)
अनु सचिव।

शा0संख्या- /XXVIII(2)/2017- 03(बजट)/2017 का संलग्नक।

(धनराशि रू0 हजार में)

लेखाशीर्षक		आयोजनागत	
क	ख	ग	घ
2210	चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य	वित्तीय वर्ष 2017-18 के अनुपूरक अनुदान में प्राविधानित धनराशि	अवमुक्त की जा रही धनराशि
05	चिकित्सा, शिक्षा, प्रशिक्षण तथा अनुसंधान		
105	पश्चात्य चिकित्सा पद्धति		
05	नर्सिंग एवं पैरामेडिकल शिक्षा		
04	स्टेट स्कूल ऑफ नर्सिंग देहरादून की स्थापना		
01	वेतन	5000	5000
03	महंगाई भत्ता	300	300
		5300	5300

(धनराशि रू0 तिरपन लाख मात्र)


(शिव शंकर मिश्रा)
अनु सचिव।

लेखाशीर्षक		(धनराशि रू0 हजार में)	
क	ख	क	ख
2210	चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य	वित्तीय वर्ष 2017-18 के मूल आय-व्ययक में प्राविधानित धनराशि	अवमुक्त की जा रही धनराशि
05	चिकित्सा, शिक्षा, प्रशिक्षण तथा अनुसंधान		
105	पारंपारिक चिकित्सा पद्धति		
05	नर्सिंग एवं पैरामेडिकल शिक्षा		
08	राजकीय ए0एन0एम0/जी0एन0एम0 नर्सिंग स्कूलों की स्थापना		
01	वेतन	1064	1064
03	महंगाई भत्ता	53	53
06	अन्य भत्ते	160	160
	योग	1277	1277

(धनराशि रू0 बारह लाख सतहत्तर हजार मात्र)

(शिव शंकर मिश्रा)
अनु सचिव।